नईदुनिया

26वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप का शुभारंभ

भोपाल बन रहा वॉटर स्पोर्ट्स हब : डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को प्रकाश तरण पुष्कर में 26वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में 26 राज्यों के 400 से अधिक पैरा तैराक भाग ले रहे हैं, जिनमें 100 महिला खिलाड़ी शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पैरा खिलाड़ियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। वर्ष 2016 के रियो पैरा ओलिंपिक में भारत ने चार पदक जीते थे, जबकि टोक्यो पैरा ओलिंपिक में यह संख्या बढ़कर 20 हो गई। वर्ष 2024 के पैरा ओलिंपिक में



भारतीय खिलाड़ियों ने 29 पदक जीते। वहीं, 2026 के पैरा एशियाई खेलों में भारत ने 114 पदक हासिल किए, जिनमें पैरा तैराकों के 11 पदक शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल सुविधाओं के विस्तार और आधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में विभिन्न खेलों की 11 अकादमियां संचालित हैं। सरकार हर विधानसभा क्षेत्र में खेल सुविधाएं और स्टेडियम विकसित करने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि भोपाल वॉटर स्पोर्ट्स का हब बन रहा है। कयाकिंग, केनोइंग और रोइंग के बाद बड़ी झील में सेलिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है। खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रही है। राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

राज्यपाल ने रेडक्रॉस की जिला शाखाओं को सौंपीं छह एंबुलेंस

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने शुक्रवार को लोक भवन में आयोजित समारोह में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की जिला शाखाओं के लिए छह एंबुलेंस का लोकार्पण किया। उन्होंने विधिवत पूजन के बाद वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

ये एंबुलेंस एनएचडीसी लिमिटेड भोपाल द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत उपलब्ध कराई गई हैं। इन्हें सिवनी, खंडवा, छिंदवाड़ा, अशोकनगर, नरसिंहपुर और भोपाल की जिला शाखाओं को प्रदान किया गया है। इस अवसर पर रेडक्रॉस की



राज्य शाखा के अध्यक्ष श्याम सिंह कुमरे, सचिव रामेंद्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पचमढ़ी से भी सर्द रही भोपाल, इंदौर की रात

दो दिन बाद न्यूनतम तापमान में और गिरावट होने के आसार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः किसी प्रभावी मौसम प्रणाली के सक्रिय नहीं रहने से मध्य प्रदेश में मौसम पूरी तरह शुष्क बना हुआ है। जिसके चलते दिन में तो गर्माहट बरकरार है, लेकिन शाम ढलते ही शीतल हवाएं सिहरन बढ़ा देती हैं। जिसके चलते कई शहरों में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। इसी क्रम में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात का सबसे कम 10.8 डिग्री सेल्सियस तापमान कटनी के करौंदी में दर्ज किया गया। इंदौर में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री एवं भोपाल में 12 डिग्री रिकार्ड किया गया। यह भोपाल का इस सीजन का सबसे कम तापमान है। साथ ही पचमढ़ी के न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री की तुलना में कम भी है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अभी एक-दो दिन मौसम का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान और उसके आसपास द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। इसके उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए शनिवार को गहरे कम दबाव के क्षेत्र में बदलने की संभावना है। साथ ही इस मौसम प्रणाली के



रविवार को अवदाब में परिवर्तित होकर रविवार शाम तक और तीव्र होते हुए मध्य बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान में परिवर्तित होने के भी आसार हैं। उधर रविवार से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के भी उत्तर भारत में सक्रिय होने की संभावना है। मौसम विज्ञानी एसएन साहू ने बताया कि मौसम शुष्क बना रहने के कारण न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज हुई है। अभी एक-दो दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में दो दिन बाद चक्रवाती तूफान बनने जा रहा है, लेकिन इसका देश के मौसम पर प्रभाव पड़ने की संभावना कम है। यह तूफान अंडमान की तरफ आगे बढ़ेगा। उधर वर्तमान में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने पर दो दिन बाद न्यूनतम तापमान में कुछ गिरावट भी हो सकती है।

प्रदेश में दो वर्षों में खुलेंगे 22 नए मेडिकल कॉलेज

18 हजार से अधिक होंगी एमबीबीएस सीटें

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आगामी दो वर्षों में प्रदेश में 22 नए चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किए जाएंगे। इससे मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 56 और एमबीबीएस सीटों की संख्या 18,050 हो जाएगी। वर्तमान में प्रदेश के 34 शासकीय और निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में 6,050 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को मेडिकल कॉलेजों और एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए तेजी से कार्य करने के निर्देश



दिए। उन्होंने पीपीपी मॉडल पर बैतूल, कटनी, धार और पन्ना में बन रहे मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी कर समय-सीमा में संचालन सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने मुरैना, गुना, भिंड, टीकमगढ़, अशोकनगर, बालाघाट, सीधी, खरगोन, शाजापुर, रायसेन और झाबुआ में पीपीपी मॉडल पर स्थापित होने वाले 11 मेडिकल कॉलेजों के लिए तत्काल नई निविदाएं जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि छतरपुर, दमोह और बुधनी के नए शासकीय मेडिकल कॉलेजों के भवन निर्माण पूरे हो चुके हैं, जबकि उज्जैन, राजगढ़ और मंडला में निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इसके अलावा बैतूल, कटनी, धार और पन्ना में पीपीपी मॉडल के तहत संचालन के लिए अनुबंध किए जा चुके हैं। आगामी दो वर्षों में 22 नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और मौजूदा कॉलेजों में सीटों की वृद्धि से प्रदेश में कुल 18,050 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध होंगी। बैठक में चिकित्सा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव दिवस पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आज से

नप्र, भोपाल : जननायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मध्यप्रदेश में 14 से 16 नवंबर तक तीन दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह आयोजित किए जाएंगे। मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम 15 नवंबर को धार जिले के डही में होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल संबोधन करेंगे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे। इस अवसर पर डही माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण किया जाएगा। 14 नवंबर को जबलपुर तथा 16 नवंबर को खंडवा और शहडोल जिले के ब्यौहारी में भी कार्यक्रम होंगे।

मप्र में 10 जनवरी से शुरू होगी जनगणना-2027 की स्वगणना

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश में जनगणना-2027 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। प्रदेश में 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा।

इससे पहले 10 जनवरी से 24 जनवरी तक नागरिकों को स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) के माध्यम से अपनी जानकारी स्वयं दर्ज करने का अवसर मिलेगा। इसके बाद प्रगणक घर-घर पहुंचकर दर्ज की गई जानकारियों का सत्यापन करेंगे।

25 जनवरी से प्रगणक घर-घर जाकर जुटाएंगे जनसंख्या संबंधी जानकारी

नागरिकों को 40 सवालों के देने होंगे जवाब

जनगणना निदेशालय के निर्देश पर प्रदेश के गृह विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इसके अनुसार, जनगणना की प्रक्रिया पूरी होने के बाद एक से पांच मार्च 2027 तक पुनरीक्षण का कार्य किया जाएगा। इस दौरान जनगणना से संबंधित जानकारियों की जांच और आवश्यक सुधार किए जाएंगे। स्वगणना के दौरान नागरिकों को अपनी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और जनसांख्यिकीय जानकारी दर्ज करनी होगी। इसके लिए कुल 40 सवाल निर्धारित किए गए हैं। इनमें नाम, उम्र, धर्म, मातृभाषा, शिक्षा, रोजगार और दिव्यांगता से संबंधित प्रश्न शामिल हैं। इसके अलावा स्वतंत्र भारत में पहली बार जातिगत जनगणना भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सूर्यदेव की उपासना और लोकआस्था के महापर्व छठ पूजा के प्रथम दिन 'नहाय-खाय' की मंगलकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा है कि यह पावन अवसर सभी के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि लेकर आए। छठी मैया और भगवान सूर्यदेव की कृपा सभी पर बनी रहे और हर परिवार में आरोग्य, खुशहाली और मंगल का सदैव वास हो, बाबा महाकाल से यही प्रार्थना है।

प्रदेश में हैकिंग के खतरे से 25 सरकारी वेबसाइटें बंद

पीएचपी वर्जन अपडेट करने के लिए पोर्टल किए गए ऑफलाइन

करीब 90 प्रतिशत सरकारी वेबसाइटें इसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज पर आधारित

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश में साइबर हमलों की आशंका के चलते करीब 25 सरकारी विभागों की वेबसाइटें बंद कर दी गई हैं। इन पोर्टल को पीएचपी (हाइपरटेक्स्ट प्रीप्रोसेसर) का वर्जन अपडेट करने के लिए ऑफलाइन किया गया है। बताया जा रहा है कि वेबसाइट के सर्वर में इस्तेमाल हो रहे पुराने वर्जन में सुरक्षा संबंधी खामियां सामने आई हैं। सरकारी आंकड़ों और सूचनाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। जानकारी के अनुसार, वेबसाइट संचालित करने वाली प्रोग्रामिंग लैंग्वेज पीएचपी में सुरक्षा से जुड़ी दो बड़ी खामियां सामने आई हैं, जिन्हें पीएचपी2शेल नाम दिया गया है। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, इन खामियों का फायदा उठाकर हैकर बिना अनुमति सर्वर पर खतरनाक कोड चला सकते हैं। इसके जरिए पासवर्ड और एपीआई की जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां चुराने का खतरा रहता है। प्रदेश की करीब 90 प्रतिशत सरकारी वेबसाइटें पीएचपी पर आधारित हैं। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के अनुसार, सर्वर में इस्तेमाल हो रहे पीएचपी वर्जन को अपडेट किया जा रहा है। इसी प्रक्रिया के चलते वेबसाइटों को अस्थायी रूप से बंद किया गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, पुराने पीएचपी वर्जन को डेवलपर का सुरक्षा संबंधी समर्थन मिलना बंद हो जाता है। इसे एंड ऑफ लाइफ कहा जाता है। नए वर्जन में पुराने सुरक्षा जोखिमों और तकनीकी खामियों को दूर किया जाता है। इससे वेबसाइट की सुरक्षा, गति और कार्यक्षमता बेहतर होती है।

नौकरी से हटाए गए कोरोना योद्धा फिर करेंगे आंदोलन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः कोरोना महामारी के दौरान करीब दो साल तक मरीजों की सेवा करने वाले प्रदेश के हजारों अस्थायी स्वास्थ्यकर्मी अपनी नौकरी में वापसी की मांग को लेकर फिर आंदोलन तेज करने जा रहे हैं।

मप्र कोविड-19 आयुष चिकित्सक संघ एवं पैरामेडिकल स्टाफ ने 16, 17 और 18 नवंबर को नीलम पार्क में तीन दिवसीय महाआंदोलन करने की घोषणा की है। इसमें प्रदेशभर से करीब चार हजार कोरोना योद्धा परिवार सहित शामिल होंगे। ये कर्मचारी पांच अक्टूबर से नीलम पार्क में धरना दे रहे हैं। आंदोलन में आयुष चिकित्सक, स्टाफ नर्स, एएनएम, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन सहित पैरामेडिकल और सहयोगी कर्मचारी शामिल हैं।

इन कर्मचारियों ने कोरोना काल में कोविड सेंटरों, गहन चिकित्सा इकाइयों, सैंपलिंग और टीकाकरण जैसी जिम्मेदारियां संभाली थीं। महामारी का प्रभाव कम होने के बाद उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं संघ का कहना है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और हरियाणा सहित अन्य राज्यों में कोविड स्वास्थ्यकर्मियों के समायोजन की दिशा में कदम उठाए गए हैं। इसी आधार पर मध्यप्रदेश में भी अनुभव के अनुसार पुनर्नियुक्ति की मांग की जा रही है।

मप्र में हर साल तैयार होंगी एक लाख उन्नत नस्ल की बछिया, किसानों को दी जाएंगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर के कुलैथ में पशुपालक सम्मेलन का किया शुभारंभ

34.58 लाख हितग्राहियों को 207.48 करोड़ रुपये की पेंशन राशि अंतरित

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खेती के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देकर ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है। प्रदेश सरकार हर साल एक लाख उन्नत नस्ल की बछिया तैयार कर किसानों को उपलब्ध कराएगी।

इससे दूध उत्पादन बढ़ेगा और पशुपालकों की आय में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री शुक्रवार को ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में विशाल पशुपालक सम्मेलन एवं पशु मेले का शुभारंभ कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में ढाई करोड़ से अधिक पशुधन है, जिनमें एक करोड़ से अधिक गोवंश शामिल हैं। इसके बावजूद दुग्ध उत्पादन में प्रदेश नौ प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ देश में तीसरे स्थान पर है। सरकार का लक्ष्य मध्यप्रदेश को देश का मिल्क कैपिटल बनाना है। इसके लिए पशुओं की नस्ल सुधार और उन्नत पशुधन उपलब्ध कराने पर विशेष



संबल और पेंशन योजना की राशि अंतरित

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के सात हजार से अधिक हितग्राहियों के खातों में 175 करोड़ रुपये की सहायता राशि अंतरित की। वहीं, सामाजिक सुरक्षा एवं दिव्यांगजन पेंशन योजना के 34.58 लाख से अधिक हितग्राहियों को 207.48 करोड़ रुपये की पेंशन राशि सिंगल क्लिक से भेजी।

विकास कार्यों की घोषणा

मुख्यमंत्री ने कुलैथ के जगन्नाथ मंदिर के विकास के लिए 51 लाख रुपये देने की घोषणा की। इसके अलावा गांव में तीन पक्की सड़कें और एक सामुदायिक भवन बनाने की बात कही। उन्होंने ग्रामीणों को मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना की जानकारी देते हुए बताया कि गांवों में पात्र लोगों को संपत्तियों का निःशुल्क पंजीयन कर मालिकाना हक दिया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बैलगाड़ी दौड़ प्रतियोगिता का आनंद लिया। पशु मेले में उन्नत नस्ल की गायों और भैंसों की जानकारी भी पशुपालकों को दी गई। इस अवसर पर मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, सांसद भारत सिंह कुशवाह सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में पशुपालक एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि उज्जैन, इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर में 10 हजार पशुओं की क्षमता वाली बड़ी गौशालाएं शुरू की जा रही हैं। पशुपालन के साथ बकरी पालन और कुक्कुट पालन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

संत सुधासागर को न्यायालय का समन, 4 दिसंबर को पेश होने के निर्देश

'वकील सुलह नहीं, झगड़ा करवाते हैं' टिप्पणी पर अधिवक्ता ने दायर किया मानहानि का परिवाद

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः दिगंबर जैन संत मुनि श्री सुधासागर जी महाराज की अधिवक्ताओं को लेकर की गई कथित टिप्पणी अब न्यायालय पहुंच गई है। टिप्पणी से आहत इंदौर के अधिवक्ता शैलेंद्र द्विवेदी ने उनके खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया है। इस मामले में इंदौर जिला न्यायालय ने 12 नवंबर को समन जारी कर मुनि श्री को 4 दिसंबर 2026 को न्यायालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

मामला मुनि श्री के चातुर्मास के दौरान आयोजित जिज्ञासा कार्यक्रम से जुड़ा है। कार्यक्रम में एक व्यक्ति के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि 'वकील सुलह नहीं, झगड़ा करवाते हैं।' अधिवक्ता शैलेंद्र द्विवेदी ने इस टिप्पणी को पूरे अधिवक्ता समुदाय की प्रतिष्ठा और सामाजिक सम्मान के विरुद्ध बताते हुए न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया। परिवाद में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 356 के तहत मानहानि से संबंधित आरोप का उल्लेख किया गया है। न्यायालय के दस्तावेजों के अनुसार, प्रकरण क्रमांक यूएन एसआर/ 5461/ 2026 में शैलेंद्र द्विवेदी बनाम मुनि सुधासागर जी महाराज के नाम से मामला दर्ज है। जारी समन के अनुसार, मुनि श्री को 4 दिसंबर को सुबह 11 बजे न्यायालय में स्वयं अथवा नियमानुसार अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है।

इस मामले में अधिवक्ता का कहना है कि वकालत न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है और अधिवक्ता पक्षकारों को न्याय दिलाने के साथ विवादों के समाधान में भी भूमिका निभाते हैं। हालांकि, समन जारी होना अपराध सिद्ध होना नहीं है। मामले में न्यायालय दोनों पक्षों की दलीलों और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे की कार्यवाही करेगा।

आज मनाया जाएगा मातृ-पितृ भक्ति दिवस

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भाजपा के संस्थापक सदस्य और पूर्व राज्यसभा सांसद स्व. सारंग की पुण्यतिथि तथा उनकी पत्नी स्व. प्रसून सारंग की जयंती पर 14 नवंबर को मातृ-पितृ भक्ति दिवस मनाया जाएगा।

इस अवसर पर नरेला विधानसभा सहित देशभर में विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि नरेला विधानसभा के सभी वार्डों में आयोजित कार्यक्रमों में वृद्धजनों के चरण पखारकर उन्हें शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया जाएगा। स्व. कैलाश नारायण सारंग के अनुयायी, प्रशंसक और समर्थक भी भोपाल में विभिन्न सेवाकार्य करेंगे।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा देशभर में वृद्धजनों के सम्मान, स्वास्थ्य सेवा और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंत्री सारंग ने नागरिकों से अपील की कि वे 14 नवंबर को अपने माता-पिता और परिवार के वरिष्ठजनों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। साथ ही अपने अनुभव, फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर हैशटैग के साथ साझा करें।

कार्ययोजना *संरक्षण के लिए बनी कार्ययोजना...*

नर्मदा उद्गम मंदिर को मिलेगा मूल पौराणिक स्वरूप

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार अमरकंटक स्थित मां नर्मदा के उद्गम स्थल की धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। श्री नर्मदा मंदिर (नर्मदा उद्गम) ट्रस्ट की 21वीं सामान्य बैठक में मंदिर के मूल पौराणिक स्वरूप की पुनर्स्थापना, प्राचीन मंदिरों का संरक्षण, उद्गम कुंड के जल की शुद्धता और परिसर को अतिक्रमण मुक्त बनाने सहित कई निर्णय लिए गए।

मंदिर परिसर और माई की



बगिया को मूल स्वरूप के अनुरूप विकसित किया जाएगा। प्रवेश और निकास द्वारों को पारंपरिक स्थापत्य शैली में आकर्षक बनाया जाएगा।

उद्गम कुंड और स्नान क्षेत्र के जल की शुद्धता बनाए रखने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रतिमाह जल के नमूनों की जांच कराई जाएगी। मंदिर परिसर में जीरो डिस्चार्ज व्यवस्था लागू होगी। पूजन सामग्री का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जाएगा और प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

मंदिर और उद्गम क्षेत्र के आसपास अनधिकृत अतिक्रमण तथा सीमेंट-कंक्रीट से बनी संरचनाओं को चिह्नित कर चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा। परिसर के आसपास नो कंस्ट्रक्शन जोन के नियमों का पालन कराया जाएगा। यातायात व्यवस्था सुधारने और सीवरेज योजना को मजबूत करने के लिए भी कार्रवाई होगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कोटि तीर्थ घाट के दोनों ओर शेड बनाए जाएंगे। माई की बगिया में पूजा स्थल के मंडप पर ग्रिल लगाने, यज्ञशाला और धूना शेड की मरम्मत, रसोई शेड निर्माण तथा पानी की टंकी स्थापित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता शहडोल संभाग की कमिश्नर एवं ट्रस्ट अध्यक्ष सुरभि गुप्ता ने की। इसमें सांसद हिमाद्री सिंह, विधायक फुंदेलाल सिंह और अन्य अधिकारी एवं ट्रस्ट सदस्य उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने घेरा भोपाल सांसद का बंगला

नप्र, भोपाल : रीवा से भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा के किसानों को लेकर दिए गए विवादित बयान के विरोध में शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भोपाल में प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल शहर और किसान कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में कार्यकर्ताओं ने भोपाल सांसद आलोक शर्मा के निवास का घेराव कर पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने जनार्दन मिश्रा के इस्तीफे की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि किसानों का अपमान करने के बाद केवल माफी मांग लेना पर्याप्त नहीं है। सांसद को नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com